4836 आराजी (73)

15000रु. भारतीय गैर न्यायिक 15000रु.

INDIA NON JUDICIAL

पन्द्रह हजार रुपये

RUPEES FIFTEEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

Rs.15000 भारत INDIA Rs.15000

21 JUN 2000

01BB 196483

विक्रयपत्र

मै वासुदेव मध्यान पुत्र सोमा मल निवासी न० १२२ लुकर गंज शहर इलाहाबाद का हूँ। जो कि आराजीभुमिधरी न० ७३ तिहत्तर रक्बा २ दो बीघा ९नौ बिस्वा ७ सात धुरस्थितमौजा रहीमाबाद परगना व.तहसील सदर जनपद इलाहाबाद का तनहा मालिक व काबिज व भुमिधरहूं जो कि हर तरह के बार से पाक व साफ है तथा जिसमे किसी दूसरे व्यक्ति का कोईहक व हिस्सा नही है तथा न ही किसी अन्य व्यक्ति से कोई वास्ता व सरोकार है। तथा इस भुमि मे कोई दूसरा साझीदार व हिस्सेदार नही है। मुझे उपरोक्त आराजी को विक्रय करने का पुर्णाअधिकार प्राप्त है चूंकि मुकमुकिर को इस समय वास्ते खचौखानगी तथाअपने रोजगार के लिये रुपयो की सख्त जरुरत है

Vasudeo Mandhyan

21/6/2000

1200/-

18

21/6/2000

Vasudeo Mandhyan

7.7.2000

Vasudeo Mandhyan

Anand

7.7.2000

5000RS.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

2 1 JUN 2000

उत्तर प्रदेश

२-

और सिवाय उपरोक्त आराजी को विक्रय करने के अलावा अन्य किसी श्रोतो से रुपया मिलने की कोई गुन्जायश नजर नही आती लिहाजा मुझ मुकिर ने खूब सोच व समझ कर तथा बादलेने सलाह व मशविरा आपस मे व अपने अन्य रिस्तेदारो के यही मुनासिब समझा कि अपनी उपरोक्त आराजी को किसी को विक्रय कर दूं उपरोक्त आराजी को बेचने की चर्चा करने पर डा० डी० एन० तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवम् गरीबी उन्मूलन केन्द्र स्थित १८ ए० आकलेन्ड रोड इलाहाबाद (पुत्र श्री विष्णु भगवान तिवारी) खरीदने को तैयार हो गये तथा उचित दाम मु० ३५000 रु० पैंतिस हजार रु० प्रति बीघा के दर से देने को तैयार है। जो कि मेरी उपरोक्त आराजी की सही बाजारी कीमत है और मुझको न ही कोई दूसरा इससे ज्यादा दाम देने को तैयार है और मुझको इससे ज्यादा कीमत मिलने की कोई सम्भावना नही है।

लिहाजा मैने अपने राजी व खुशी से यह मुनासिब समझा कि उक्त आराजी को मु० ३५000 रु० प्रति बीघा के दर से डा० डी०एन० तिवारी उपरोक्त के हक मे बेच दूं।

Vasudeo Mandhan

कोषागार इलाहाबाद
21/6/2000
21/6/2000

5000RS.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

21 JUN 2000

उत्तर प्रदेश

अत: मैने खूब सोच वसमझ कर विना किसी के डराये व धमकाये व दवाव नाजायज के वाद लेने सलाह वमशविरा अपने रिश्तेदारो के अपनी आराजी को जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया गया है वहक व बदस्त डा० डी० एन० मिश्र तिवारी अध्यक्ष उत्थान सतत विकास एवम् गरीवीउन्मूलन केन्द्र स्थित १८ ए० वाकलेन्ड रोड इलाहावाद (पुत्र श्री विष्णु भगवान तिवारी) वएवज मु० ८६५५० रु० छियासी हजार पांच सौ पचास रुपया मे जिसका आधा मु० ४३२७५ रु० तैतालिस हजार दो सौ पचहत्तर रु० होता है-विक्रय कर दिया इस सम्वन्ध मे मैने दि० १२-१-२००० को ४५००० रु० नकद तथा दि० २७-३-२००० को जरिये वैंक चेक नम्बर ६०४०२४ ४०५५० रु० कुल ८५५५० रु० पच्चासी हजार पांच सौ पचास रु० क्रेता से पा चुका हूं तथा १००० रु० एक हजार रु० नकद आज प्राप्त कर लिया है अब मुझ विक्रेता को उक्त खरीदार से कुछ भी पाना शेष नहीं रह गया है। आज की तारीख से मुझ विक्रेता ने बिक्री हुयी जायदाद पर से अपना कब्जा व दखल उठा लिया तथा खरीदार उपरोक्त को विक्री की हुयी जायदाद पर मालिकाना कब्जा व दखल दे दिया है आज

Vasudeo Mandhu

कार्य ... शाखा

तिथि 21/6/2000 ... संख्या 5000/-

… डा० डी पी तिवारी … अल्पना सदन, 78 पी आनन्द लोक … इलाहाबाद

सहायक लेखाधिकारी/उप लेखाकार
21/6/2000

1000Rs.

४-

21 JUN 2000
उत्तर प्रदेश

की तारीख से खरीदार विकीहुयी जायदाद का मालिक काविज वभूमिधर हो गयाहै उसको अधिकार है कि जायदाद विकी हुयी को जिस तरह से चाहेअपने उपभोग मे लावे तथा जिस तरहसे चाहे हस्तान्तरित करे औरअपना नाम दर्ज कागजात सरकारी करालेवे तथामुफ विक्रेता का नाम कागजात सरकारी से खारिज करा देवे इसमे मुफ विक्रेता तथा मेरे वारिसान व कायम मुकामान को न तो कुछ उज्र है न होगा।

यदि विकीहुयी जायदाद परसे कुल्या अंश भाग से खरीदार व उसके वारिसान व कायम मुकामान का कब्जा व दखल मिलकियत विक्रेता गण के किसीनुक्स के कारण अथवा किसी अन्य नुक्स के कारणनिकल जावेतो क्रेता व उसके वारिसान व कायम मुकामान को हक होगाकि अपना कुल ?ा जुज विक्र-य मूल्य जैसा कि मौका हो मय नुकसान वहानि के मुफसे व मेरे वारिसान व कायम मुकामान से जिस तरहसे चाहे वसूल कर लेवे इसमे हमको तथा हमारे वारिसान व कायम मुकामान को न तो कुछ उज्र है न होगा ।लिहाजा यह विक्रयपत्र पूर्ण रुपेण लिख दिया कि सनद रहे तथा समय परकाम आवे ।

Vasudeo Mandhyan

21/6/2000
[illegible]
18 p. [illegible]

[illegible]
21/6/2000

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु.

Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हज़ार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

2 1 JUN 2000

उत्तर प्रदेश

पृ-

तफसील जायदाद मुबैया जिसको विक्रय किया

जा रहा है।

आराजीभूमिधरी न० ७३ तिहत्तर रकवा २ दो बीघा ९ नौ विस्वा ७सात धुर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद कुल का कुल मयजुमला हक व हकूक के विक्रय कियाजिसका सरदारी दर एक लाख ब्यासी हजाररु० प्रति एकड़ है स्टाम्प २७0000 रु० पर २७000 रु० का दिया जा रहाहै ।किस्म जमीन मंफा दो सिंचित है सरकिल न० ५ है भूमि उपरोक्त कृ ण योग्यभूमि है तथा इसमे खेतीहोती है ।
नोट- पन्ना ३ के सतर ४ मे मिश्रा क्ट कर तिवारी टाईप है ।

टाईपकर्ता नागेश्वर प्रसाद अहाता दीवानी कचहरीइलाहाबाद
मसविदा कर्ता सुरेश नारायण त्रिपाठी
दि० ६-७-२000 ई०

विक्रेता

गवाह

गवाह

Vasudeo Mandhyan

Anand Prakash Pandey
Advocate

১০০/-

৩১/৬/২০০০

[illegible]

৩১/৬/২০০০

7-7-2010

2210

307

4836

316

[illegible] ৩৩০২০ [illegible]

[illegible] 445-

তাং 20-12-2000

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

५०रू. FIFTY RUPEES 50Rs.

तितिम्मा

मै वासुदेव मध्यान पुत्र सोभा मलनिवासी न0 122लूकर गंज इलाहाबाद
--- प्रथमपक्ष विक्रेता

व

उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलिवेशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) न0 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद जरिये अध्यक्ष श्री डा0दीना नाथ तिवारी पुत्र स्व0 श्री विष्णु भगवान तिवारी निवासी 18 ए0 आकलैन्ड रोड इलाहाबाद ------------------- द्वितीय पक्ष क्रेता

जो कि प्रथमपक्ष ने आराजी भूमिधरी न0 73 तिहत्तर रकबा 2 दो बीघा नौ विस्वा सात धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसीलसदर जनपद इलाहाबाद को जरिये बयनामा दि0 6-7-2000 ई0 मुसद्दका 7-7-2000 ई0 फोटो प्रति पुस्तक स0 1 खन्ड 2210 पन्ना 307 से 316 क्रम स0 4836 वहक क्रेता द्वितीयपक्ष

कीमत 50 दिनांक 26/11/2002 उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एण्ड पावर्टी एलीविएशन ...
नाम उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट
निवासी 16E ... रोड जिला इलाहाबाद
स्टाम्प विक्रेता वीना देवी जायसवाल इला०
सं० ४३८ सिविल कोर्ट कचेहरी इलाहाबाद
रजि० 332 ह० वीना देवी

वीना देवी
विक्रेता स्टाम्प
लाइ० सं० ४३८ ...

तितिम्मा 100/- 20/- 120/-

22-11-02

वासुदेव मध्यान
सीमा मल
122 लूकरगंज
आज दिनांक 22-11-02 6-7
के मध्य छाया प्रति प्रस्तुत किया।

22.11.02

Vasudeo Mandhyan

धीरेन्द्र कुमार
स्व० शम्भू नाथ
102 जी/3 बेनीगंज
जुनैद
मो० ... उल्दीन
जिला ... गौसपुर कटहुला

... पढ़ने व समझने के ... प्राप्त कर ... वासुदेव मध्यान उक्त ... ने स्वीकार किया।

उप निबन्धक सदर इलाहाबाद 22-11-02

Vasudeo Mandhyan

जुनैद

22-11-02

22-11-02

50 Rs.

पचास रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

५०रु. FIFTY RUPEES 50RS

बेचा है। लेकिन बयनामा मे गलती से अध्यक्ष का नाम पहले टाइप हो गया है तथा संस्था क्रेता का अंग्रेजी नाम लिखने से छूट गया है जिसका सही होना अति आवश्यक है। अत: प्रथम पक्ष यह तितिम्मा तहरीर कर के एकरारकरता है कि भूमि उपरोक्त वहक द्वितीय पक्ष क्रेता उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलीविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) न0 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद द्वारा अध्यक्ष श्री डा0 दीना नाथ तिवारी पुत्र श्री विष्णु भगवान तिवारी निवासी न0 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद बेची गयी है और इस भूमि के स्वामी व मालिक उक्त क्रेता उत्थान सेन्टर फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट एन्ड पावर्टी एलिविएशन (उत्थान सतत विकास एवं गरीबी उन्मूलन केन्द्र) 18 ए0 आकलेन्ड रोड इलाहाबाद ही है।

लिहाजा यह तितिम्मा लिख दिया कि सनद रहे तथा समय पर काम आवे।

<u>विवरण आराजी</u>

भूमिधरी आराजी न0 73 तिहत्तर रकबा 2 दो बीघा 9 नौ बिस्वा 7 सात

Vasudeo Maradhya

रु० ६५०/- ता० .... माह 16/11/2002 ई० स०

श्री इलाहाबाद सेन्ट्रल फार सस्टेनेबिल डेवलपमेन्ट [illegible] द्वारा एडमिनिस्ट्रेटर जरिये डा० दीनानाथ त्रिपाठी

निवासी 18 ए आकलैण्ड रोड ता० ... जिला इलाहाबाद

के हाथ स्टाम्प बेचा हस्ताक्षर शिव मोहन कचहरी सिविल कोर्ट इला० ला० नं० ५०८ रजिस्टर नं० 4106 निवास स्थान का ... इला०

S. M. Agrahari

शिव मोहन अग्रहरी
ला० नं० 508
सिविल कोर्ट, इला०

... के ... हुलने व ... के पश्चात् ... प्रलेख के निष्पादन ... प्रतिफल ... रु० ... मैं ... तथा ... मेरे समक्ष प्राप्त कर ... श्री डा० दीनानाथ तिवारी पुत्र स्व० विष्णु भगवान तिवारी नि० 18 ए० आकलैण्ड रोड ... ने स्वीकार किया।

जिनकी पहचान श्री धीरेन्द्र कुमार
पुत्र श्री स्व० शम्भू नाथ
निवासी 102 जी/3 बैनीगंज
तथा श्री सुरेश नारायन त्रिपाठी
पुत्र श्री ...
निवासी ... एडवोकेट
जिला इलाहाबाद ने की।

उप निबन्धक 23-11-02
सदर, इलाहाबाद

122

सुरेश नारायण त्रिपाठी
02

मुकिरान की पहचान के साक्षियों को प्रत्यक्षतः ... ... है के निशान अं... सनियम लिए गए।

23-11-02
उप निबन्धक
सदर-इलाहाबाद

1Re

INDIA

एक रुपया

सत्यमेव जयते

ONE RUPEE भारत ONE RUPEE

धूर स्थित मौजा रहीमाबाद परगना व तहसील सदर जनपद इलाहाबाद

कुल का कुल मय जुमला हक व हकूक के ।

टाइप कर्ता ओम प्रकाश अहाता दीवानी कचहरी इलाहाबाद

मसविदा कर्ता सुरेश नारायण त्रिपाठी
दीवानी कचेहरी इलाहाबाद

दि0 18-11-2002 ई0

गवाह न01 वीरेन्द्र कुमार
पुत्र स्व0 शम्भू नाथ
102बी/3 बैरीगंज
इलाहाबाद

प्रथमपक्ष

Vasudeo Mandhan

द्वितीय पक्ष

गवाह न0 2 मुकुन्द
पुत्र मौईनउद्दीन
जौंसपुर करहुला

दि० Rel/- माह 16/11/2002 ई० २०

श्री इलाहाबाद होटल एण्ड सर्विस डेवलपमेन्ट ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड द्वारा डा० दीना नाथ त्रिपाठी

निवासी 18 ए सम्मेलन मार्ग जिला इलाहाबाद

के हाथ स्थान पेशा हस्ताक्षर शिव मोहन

अग्रहरी सिविल कोर्ट इला० ला० नं० ५०८

रजिस्टर नं० 408 निवास स्थान ८४ नुरुल्ला

मकबोरगंज: इला०

S. M. Agrahari

आज दिनांक 23-11-02 को

पुस्तक संख्या 1 3575

301 के पृष्ठ .... पर क्रम संख्या ....

308 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया। 10463

उप निबन्धक

सदर, इलाहाबाद

आ. सह. पंजिका/ सदर इला०

जि. सं. 95/445

ला. जिलाधिकारी 194/03

दि. 6(2) 514/8

194/03 को दर्ज किया